विषय सूची

प्रश्न पत्र 1

1. आयुर्वेद निरुपण **1–34**

1. आयुर्वेद शब्द की निरुक्ति एवं व्युत्पत्ति 3
2. आयुर्वेद की परिभाषा 3
3. आयु के लक्षण एवं व्युत्पत्ति 3
4. सिद्धान्त के लक्षण एवं प्रकार (वर्गीकरण) 6
5. आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों का परिचय एवं महत्व 7–34
6. आयुर्वेद (चिकित्सा) का अधिष्ठान 14

2. आयुर्वेद दर्शन निरुपण एवं पदार्थ वर्णन **35–73**

1. आयुर्वेदीय मूलभूत सिद्धान्तों की दार्शनिक पृष्ठभूमि 35
2. दर्शन शब्द का अर्थ एवं निरुक्ति 35
3. दर्शन की व्यापकता 36
4. दर्शन का उद्‌भव 37
5. दर्शनों की संख्या एवं श्रेणी विभाजन 41
6. वेदान्त दर्शन 42
7. षड़ दर्शन परिचय 44
8. सांख्य दर्शन 44
9. योग दर्शन 45
10. मीमांसा दर्शन 46
11. वैशेषिक दर्शन 48
12. न्याय दर्शन 49
13. आयुर्वेद में दूसरे दर्शनों के अध्ययन की प्रासंगिकता 50
14. विभिन्न दर्शनों का आयुर्वेद पर प्रभाव एवं समानता के साक्ष्य 51
15. समकालीन साहित्य में दर्शनों की संकल्पना 59
16. पदार्थ प्रकरण 59
17. पद परिभाषा, पद एवं पदार्थ विवेचन 62
18. पदार्थ निरुक्ति, परिभाषा, लक्षण एवं स्वरूप 63–64
19. पदार्थ वर्गीकरण, भाव पदार्थ, अभाव पदार्थ 66
20. चरकानुसार कारण पदार्थ 72
21. आयुर्वेद स्वतन्त्र मौलिक दर्शन विचारधारा 72–73

3. द्रव्य विज्ञानीयम् **75–200**

1. द्रव्य के लक्षण, निरुक्ति 75
2. द्रव्य वर्गीकरण परिभाषा 79

3. कारण द्रव्य संख्या एवं वर्गीकरण पद्धति 80
4. महाभूत प्रकरण प्रत्येक महाभूत के लक्षण एवं परिचय वर्णन 90–119
5. सृष्टि उत्पत्ति की विभिन्न विचारधारा (तैतिरीयोपनिषद्, चरक, सुश्रुत) 120–144
6. **काल निरूपण** व्युत्पत्ति, लक्षण विभाग एवं महत्व 144–155
7. **दिक् (दिशा) निरूपण**, लक्षण, व्युत्पत्ति, भेद एवं महत्व 156–160
8. **आत्म-तत्त्व-निरूपण** लक्षण वर्गीकरण, आश्रयत्व, गुण, लिंग (चरकानुसार) आत्माज्ञानस्य प्रवृति 161–178
9. **पुरुष वर्णन आतिवाहिक**, कर्म पुरुष, राशि पुरुष, सूक्ष्म शरीर, चिकित्सा पुरुष, षड्धात्वात्मक पुरुष 179–183
10. **मनो निरूपण** मन के लक्षण, पर्याय, गुण, उद्देश्य, कर्म तथा उभयात्मकता पञ्चमहाभूत एवं औषध का मन पर प्रभाव मानस विकार 184–196
11. **पंचमहाभूत** एवं त्रिगुण की मानस एवं देह प्रकृति निर्माण में कारणता 197
12. **तमो (अन्धकार) निरूपण** 198
13. प्रत्येक कारण द्रव्य का प्रायोगिक महत्व (व्यावहारिक अध्ययन) 200
14. कारण द्रव्यों का समकालीन विज्ञान में सौदाहरण वर्णन 200

4. गुण विज्ञानीयम् **203–237**
1. गुण परिभाषा, लक्षण, निरूक्ति, व्युत्पत्ति, वर्गीकरण, दर्शनानुसार गुण संख्या चरकोक्त 41 गुण, सार्था, गुर्वादि परादि आध्यात्मिक के लक्षण एवं वर्गीकरण 203–237
2. चरकोक्त 41 गुणों का न्यायोक्त 24 गुणों में समन्वय 217
3. गुणों का प्राधान्य 235
4. प्रत्येक गुण का आयुर्वेद में प्रायोगिक चिकित्सकीय उपयोग 236
5. गुणों का समकालीन विज्ञान में उदाहरण सहित सैधान्तिक अवधारणा 237
6. गुणों का आयुर्वेद में चिकित्सकीय प्रयोग 236

5. कर्म विज्ञानीयम् **239–249**
1. कर्म की परिभाषा, लक्षण 239
2. कर्म भेद 241
3. कर्म की निरुक्ति 241
4. कर्म का वर्गीकरण 244
5. कर्म का आयुर्वेद में प्रायोगिक उपयोग 247
6. समकालीन विज्ञान में कर्म के सिद्धान्तों का सोदाहरण वर्णन 248

6. सामान्य विज्ञानीयम् **251–260**
1. आयुर्वेद एवं दर्शनानुसार सामान्य निरूपण 251
2. परिभाषा लक्षण 251
3. सामान्य वर्गीकरण 253
4. सामान्य का प्रायोगिक व्यावहारिक उपयोग 254
5. ''सामान्य का आयुर्वेदीय पक्ष''-(गुण कर्मानुसार प्रयोग) 257
6. समकालीन विज्ञान में सामान्य का प्रायोगिक उपयोग 260

7. विशेष विज्ञानीयम् **261-265**

1. परिभाषा लक्षण, लक्षण 261
2. विशेष का वर्गीकरण 263
3. विशेष सिद्धि 264
4. आयुर्वेदीय दृष्टि से विशेष का प्रायोगिक उपयोग (द्रव्य, गुण, कर्मानुसार) 266
5. आयुर्वेद में सामान्य एवं विशेष प्रायोगिक विवेक एवं उभयप्रवृति-(प्रवृत्तिरुभयस्य तु) 267
6. सामान्य विशेष का चिकित्सकीय महत्व 268
7. समकालीन साहित्य में सौदाहरण वर्णन 268

8. समवाय विज्ञानीयम् **269-274**

1. दर्शन एवं आयुर्वेदानुसार समवाय लक्षण, परिभाषा 269
2. अयुत सिद्ध सम्बन्ध 271
3. समवाय संयोग में अन्तर 273
4. समवाय का प्रायोगिक चिकित्सकीय प्रयोग 273
3. समकालीन विज्ञान में समवाय की प्रायोगिक अवधारणा 274

9. अभाव विज्ञानीयम् **275-282**

1. दर्शन एवं आयुर्वेदानुसार अभाव स्वरूप लक्षण एवं परिचय 275
2. परिभाषा एवं वर्गीकरण 277
2. अन्योन्याभाव और अनन्योन्याभाव 278
3. अभाव का प्रायोगिक उपयोग 281
4. समकालीन विज्ञान में अभाव की अवधारणा का सोदाहरण वर्णन 282

प्रश्न पत्र 2

10. प्रमाण (परीक्षा) विज्ञानीयम् **285-313**

1. परीक्षा परिभाषा निरुक्ति महत्व, आवश्यकता एवं उपयोग 285
2. प्रमा एवं प्रमाण निरूपणम् 287
3. प्रमा विवेक प्रमा, अप्रमा, प्रमेय प्रमाता एवं प्रमाण की परिभाषा 287
4. प्रमेय विशेष विचार 287
5. प्रमाण का अभिप्राय एवं महत्व 293
6. प्रमाण परिभाषा निरुक्ति लक्षण 294
7. प्रमाण संख्या विभिन्न दर्शनानुसार 296
8. आयुर्वेद दृष्टि से परीक्षा का महत्व 300
9. आयुर्वेद में प्रमाण वर्णन 300
10. परीक्षा के चार प्रकार (चतुर्विध परीक्षा विधि) 301
11. समस्त परीक्षाओं का तीन प्रमाणों में अन्तर्भाव 304
12. स्वतः, परतः प्रमाण 307
13. निदान एवं चिकित्सा में परीक्षा की प्रायोगिक उपयोग विधि 313

11. आप्तोपदेश प्रमाण निरूपण **315-338**
1. आप्त स्वरूप लक्षण 315-316
2. आप्तोपदेश लक्षण परिभाषा 317
3. आप्तोपदेश की आयुर्वेद में प्रधानता 318
4. आप्तोपदेश द्वारा रोग परीक्षा 319
5. **शब्द प्रमाण निरूपण** शब्द लक्षण एवं प्रकार 320-323
6. वाक्यार्थ ज्ञान 324
7. वाक्य लक्षण 325
8. वाक्यार्थ ज्ञान के हेतु 326
9. आकांक्षा, योग्यता, तात्पर्यादि वृत्ति 327
10. शब्द एवं वाक्यार्थबोधक वृत्तियां, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना 328
11. शक्तिग्रहयोग 330
12. आगम एवं शास्त्र प्रमाण 331
13. तुलायन्त्रादि प्रमाण 333
14. ऐतिह्य (इतिहास) प्रमाण 335
15. निघण्टु 336

12. प्रत्यक्ष परीक्षा (प्रमाण) निरूपण **339-379**
1. प्रत्यक्ष परक परिचयात्मक विचार 339
2. परिभाषा, लक्षण, व्युत्पत्ति 340
3. आयुर्वेदीय प्रत्यक्ष लक्षण विवेक प्रत्यक्ष प्रकार, निर्विकल्पक, सविकल्पक, लौकिक अलोकिक एवं इनके आगे भेद 342-350
4. ज्ञानोत्पत्ति प्रकार 351
5. छः प्रकार के सन्निकर्ष, इन्द्रिय प्राप्यकारिता 352
6. इन्द्रिय विवरण, लक्षण वर्गीकरण, संख्या, इन्द्रियों का पांच भौतिकत्व एवं तुल्ययोनित्व 356-367
7. त्रयोदश करण वर्णन, अन्तकरण की प्रधानता 367-368
8. मानस प्रत्यक्ष 370
9. प्रत्यक्ष अनुपलब्धि कारण 376
10. वेदनाओं का अधिष्ठान, कारण और निवृत्ति 372
11. प्रत्यक्ष ज्ञान के विभिन्न यन्त्रादि आवश्यक साधन 374
12. शारीर, निदान, चिकित्सा एवं अनुसंधान में प्रत्यक्ष का प्रयोगिक उपयोग 377

13. अनुमान परीक्षा प्रमाण निरूपणम् **381-410**
1. अनुमान परीक्षा (प्रमाण) लक्षण, परिभाषा 381-382
2. अनुमिति करण पर विचार (परिचय) अनुमान परिभाषा, निरुक्ति, लक्षण प्रकार (भेद, चरक एवं न्याय दर्शन के अनुसार) 383-386
3. पञ्चावयव का वर्णन 386
4. अनुमान पदार्थ लिङ्ग परामर्श आदि 389
5. परामर्श 391

6. लिंग परामर्श 392
7. व्याप्ति विवेक 392
8. व्याप्ति लक्षण, प्रकार 393
9. पक्ष विवेक 396
10. हेतु का स्वरूप एवं भेद (हेतु, सदहेतु, अहेतु) 398–399
11. हेत्वाभास 400
12. तर्क विवेचन 403
13. दृष्टांत 405
14. शारीर, निदान, चिकित्सा एवं अनुसंधान में अनुमान का प्रायोगिक उपयोग 407

14. युक्ति प्रमाण (परीक्षा) निरूपण 411–416
1. युक्ति (परीक्षा) प्रमाण अर्थ, परिभाषा लक्षण एवं विवरण 411
2. युक्ति प्रमाणत्वेन आयुर्वेद में महत्व एवं वैशिष्ट्य 413
3. निदान चिकित्सा एवं अनुसंधान में प्रायोगिक अध्ययन 414
4. युक्ति प्रमाणत्व में शंका एवं प्रमाणत्व मान्यता 415

15. उपमान प्रमाण (परीक्षा) निरूपण 417–422
1. परिभाषा, लक्षण 417
2. उपमान के भेद 419
3. शारीर, निदान, अनुसंधान एवं चिकित्सा में प्रायोगिक अध्ययन 420
4. अन्य प्रमाणों का निरूपण 421–422

16. कार्यकारणभाव सिद्धान्त एवं विविध वाद प्रकरण 423–453
1. कार्य कारण विवेक 423
2. कार्य एवं कारण के लक्षण, कारण प्रकार 424–426
3. आयुर्वेद में कार्य कारण विचार 429
4. विविधवाद का वर्णन 434
5. सतकार्यवाद 437
6. असत्कार्यवाद 443
8. परमाणुवाद 438
9. क्षणभंगुरवाद 444
10. अनेकान्तवाद 445
11. स्वभावोपरमवाद 447
12. स्वभाववाद 447
13. पीलूपाक, पिठर पाक आयुर्वेद में इनका उपयोग एवं महत्व 448
14. चवालीसवाद मार्ग 450
15. सृष्टि का विकासवाद 450
16. अवयव अवयवी विचार 451
17. आरम्भवाद 452
18. परिणामवाद 453